Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 30-08-2005
Participants : Modi Shri Sushil Kumar,Yadav Shri Devendra Prasad,Nitish Kumar Shri ,Mukherjee Shri Pranab,Singh Shri Prabhunath

Title :* h Regarding reported discontinuation of construction work of Nalanda Ordnance Factory at Rajgir, Bihar.

MR. SPEAKER : Hon. Members, I will try to accommodate as many hon. Members as possible, specially because of the wonderful cooperation I and the entire Panel of Chairmen, all of us, have received throughout this Session. You can take it from me, I am extremely anxious to permit as many hon. Members as possible on the last day to raise important issues.

I have received notice of an Adjournment Motion from Shri Nitish Kumar and Shri Prabhunath Singh. I cannot admit it as an Adjournment Motion. But I will allow you to raise it. Please be brief so that other hon. Members can take up other issues.

श्री नीतीश कुमार अध्यक्ष महोदय, बिहार प्रान्त के नालन्दा जिले में राजगीर में नालन्दा आयुध कारखाना के निर्माण के लिये 2001 में स्वीकृति मिली थी। तत्कालीन रक्षा मंत्री श्री जॉर्ज फर्नान्डीज ने उसकी आधारशिला रखी थी। उसके बाद उसका निर्माण कार्य चल रहा है। जहां तक निर्माण कार्य में सिविल कार्य का सवाल है, वह काफी हद तक पूरा हो चुका है। कालौनी का निर्माण, वर्कशाप का निर्माण और जहां से लोग विस्थापित हुये हैं, उनके लिये घर बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है लेकिन कुछ ऐसे बचे हुये छोटे-मोटे काम जिसमें बिजली का काम प्रगति पर है लेकिन इस बीच में यह जानकारी मिली है कि कारखाने के काम को रोका जा रहा है। मुख्य तौर पर जो प्लांट लगाने का काम है, वह प्रारम्भ नहीं किया जा रहा है और उसे रोक दिया गया cè[RB1]।

इस बीच में रक्षा मंत्रालय द्वारा एक कमेटी बनाई गई और उस कमेटी को कहा गया कि वह इस बात को देखे कि जो कुछ भी फैसिलिटी राजगीर में नालन्दा कारखाने के लिए स्थापित की गई है, उसका और किस प्र ाकार से इस्तेमाल हो सकता है। उस कारखाने में (बी.एम.सी.एस.) बाई मोड्युलर चार्ज सिस्टम का निर्माण होना था और यह जानकारी मिली है कि कमेटी को यह भी कहा गया है कि वह पता लगाये कि बी.एम.सी.एस. का निर्माण दूसरे किसी आयुध कारखाने में कहां बनाना संभव हो सकता है। जबकि बी.एम.सी.एस. के लिए जो टैक्नोलोजी आयात की जानी थी, वह आयात की जा चुकी है। अब सिर्फ प्लान्ट लगना बाकी था। लेकिन अब इस काम को रोक

दिया गया है। इस बात को लेकर वहां लोगों में बहुत आक्रोश है। देश में संभवतः 49 आयुध कारखाने हैं, उनमें से एक भी बिहार में नहीं है। बंगाल में 4 कारखाने हैं, उत्तर प्रदेश में 10 है, मध्य प्रदेश में 6 हैं, महाराट्र में 7 हैं और तमिलनाडु में 6 हैं। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी आयुध कारखाने हैं, लेकिन बिहार में एक भी आयुध कारखाना नहीं है। वहां एकमात्र यह आयुध कारखाना बन रहा था और उसका काम तेजी से हो रहा था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश के महामहिम राट्रपति जी वर्ा 2003 में वहां विजिट कर चुके हैं। इन सब चीजों के बाद पता नहीं किन कारणों से उस आयुध कारखाने को बंद करने की साजिश हो रही है, जब कि उसके लिए टैक्नोलोजी आदि सब कुछ भारत के पास उपलब्ध है। ऐसी परिस्थिति में दूसरे किसी आयुध कारखाने में इस काम को शिफ्ट करना समझ से परे हैं। वहां अखबारों में यह खबर छपी है कि इसे पानागढ़ में ले जाने की बात हो रही है। इसे लेकर वहां एक आक्रोश का वातावरण पैदा हुआ है। बिहार में पहले से ही उद्योग नहीं हैं। केन्द्र सरकार ने वहां एक उद्योग लगाया था, अब उस उद्योग को भी वहां से हटाया जा रहा है। हम कुछ सांसद, जिनमें श्री प्रभुनाथ सिंह, श्री अजीत कुमार सिंह तथा वहां के कुछ लोगों को साथ में लेकर माननीय रक्षा मंत्री जी से पिछले सप्ताह मिले थे और उन्हें एक ज्ञापन भी सौंपा है तथा उनसे आग्रह किया है कि इस संबंध में आप पूरी स्थिति स्पट कर दें। वहां इस कारण रोज-रोज स्थिति और गंभीर होती जा रही है। बिहार में एक वातावरण बनता जा रहा है कि जानबूझकर बिहार की उपेक्षा हो रही है। चूंकि बिहार की कोई आवाज नहीं हैं, इसलिए बिहार को दबाया जा रहा है। जो चीज मंजूर हो चुकी है, जिस पर काम हो चुका है, यह सब उस काम को बंद करने की एक साजिश है। यहां सदन के नेता और देश के माननीय रक्षा मंत्री, श्री प्रणव बाबू बैठे हैं। हम उनसे आग्रह करेंगे कि यह काम बिल्कुल नहीं होना चाहिए और एक समय सीमा के अंदर उस कारखाने के निर्माण कार्य को पूरा किया जाना चाहिए। इस संबंध में जो वस्तुस्थिति है, यदि आप उसका खुलासा कर देंगे तो वहां के लोगों के मन में एक संदेह का भाव पैदा हुआ है कि यह कारखाना यहां से हटाया जा रहा है, वह दूर हो जायेगा। वरना वहां लोगों में भ्रम है कि यह कारखाना यहां से हटाया जा रहा है और यदि यह कारखाना वहां से हटाया गया तो आपको वहां एक जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ेगा। इसलिए हम आपसे आग्रह करेंगे कि यह काम न किया जाए और जो कमेटी इस मकसद के लिए बनाई गई है, उस कमेटी को यह पता लगाने के लिए कहा गया है। जब तक वह कमेटी रहेगी, लोगों में भ्रम रहेगा। इसलिए आप उस कमेटी को भंग कीजिए और तत्काल वहां प्लान्ट लगाने का काम शुरू कीजिए। वहां सिविल का काम डी.आर.डी.ओ. कर रहा है और बाकी काम किनसे कराना है, यह आप जानते हैं, वह काम किस एजेन्सी से करवाना है, उसमें हमारी कोई दिलचस्पी नहीं है। हमारी दिलचस्पी इसमें है कि वहां कारखाना बने। यह बिहार का एकमात्र आयुध कारखाना है। इस कारखाने के बारे में कहा गया था कि यह दुनिया का दूसरा और देश का पहला अत्याधुनिक आयुध कारखाना होगा। इसलिए हमारा निवेदन है कि इसे उठाकर अन्यत्र न ले जाया जाए। इस कारखाने की एक समय-सीमा निर्धारित की जानी चाहिए और इस संबंध में सारी वस्तुस्थिति यदि माननीय रक्षा मंत्री जी स्पट कर देंगे तो बड़ी कृपा होगी।

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ जी, आप बोलिये। आपके पास एक मिनट 15 सैकिन्ड्स का समय है।

श्री प्रभुनाथ सिंह अध्यक्ष महोदय, कार्य स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से हमने अपने सवाल को यहां रखा है। हमारे कार्य स्थगन प्रस्ताव का उद्देश्य लोक सभा को स्थगित करना नहीं, बल्कि अपनी भावना सरकार तक पहुंचाना है। इस संबंध में श्री नीतीश कुमार जी ने विस्तार से चर्चा की है। इस पर हम लम्बा भाण नहीं देना चाहते हैं, हम सिर्फ दो बातें आपके सामने रखना चाहते हैं। जब-जब बिहार में विकास की कोई बात सामने आती है तो पूरे देश में विरोध का स्वर उठता है। जब बिहार में हाजीपुर जोन का निर्माण हो रहा था तो बंगाल में आंदोलन चल रहा था। अब बिहार में एक आयुध कारखाने का निर्माण हो रहा है, यह काम राजग सरकार के जमाने में शुरू हुआ था, तो आज फिर अखबारों में यह छप रहा है कि वह कारखाना उठकर पानागढ़ में जायेगा, यानी बंगाल में जायेगा। इस कारण लोगों के मन में

शंका और भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। महामहिम राट्रपति जी जब वहां गये थे तो उन्होंने कहा था कि यह दुनिया का दूसरा और देश का पहला अत्याधुनिक कारखाना बनेगा। ऐसी स्थिति में उनकी यह भावना थी कि इस कारखाने का निर्माण शीघ्रातिशीघ्र हो।

महोदय, हमने आपको वचन दिया था कि हम एक मिनट 15 सैकिन्ड का समय लेंगे। हम ज्यादा नहीं बोलना चाहते cé[R2]।

हम मंत्री जी से मिले हैं और मंत्री जी अभी सदन में उपस्थित भी हैं। अतः मैं मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि अगर वे अपनी भावना सदन में रख देंगे तो बिहार में जो भ्रम की स्थिति पैदा हुई है, वह समाप्त हो जाएगी।

MR. SPEAKER: Thank you very much. You are an ideal Member today. Shri Sushil Kumar Modi, but only on this issue.

श्री सुशील कुमार मोदी अध्यक्ष महोदय, माननीय नीतीश जी ने सभी बातें विस्तार से रखी हैं। मैं केवल एक बात की ओर ध्यान आकृट करना चाहूंगा। मुझे जानकारी मिली कि दक्षिण अफ्रीका की जिस डेल नामक कंपनी को प्लांट और मशीनरी का काम दिया गया था, उस पर सीबीआई की जांच इस कारण से चल रही है कि वह कंपनी वहां पर प्लांट और मशीनरी की आपूर्ति करने में शायद सक्षम नहीं है। मैं माननीय रक्षा मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि सीबीआई जांच के कारण डेल कंपनी को प्लांट और मशीनरी का जो ठेका रद्द किया गया है, किसी दूसरी कंपनी से तत्काल बातचीत करके, राजगीर में ऑर्डिनैंस फैक्ट्री के लिए प्लांट एंड मशीनरी की आपूर्ति का काम किया जाए, क्योंकि इस पर 400 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं और 2000 एकड़ से अधिक ज़मीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। जहां केन्द्र सरकार का इतना खर्च हुआ है, मैं आग्रह करूंगा कि इसे पानागढ़ बंगाल में न ले जाया जाए और हर हालत में इसे बिहार में ही बनाने की व्यवस्था की जाए।

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Yadav, please be brief. But I will not then allow you to speak on your own matter.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : फिर तो हम बैठ ही जाते हैं। अभी तो हम एक मिनट नहीं बोले हैं।

MR. SPEAKER: All right. I am allowing it as I am a little lax today.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मैं तो आपकी आज्ञा का अनुपालन करता हूं। एक बात मुझे निवेदन करनी है कि बिहार में जो अत्याधुनिक आयुध कारखाना बनाने की बात थी, जो हिन्दुस्तान का एकमात्र इस प्रकार का कारखाना है, इस कारखाने को बिहार से बाहर ले जाने की बात पर जिस तरह से भ्रम पैदा हो रहा है ...(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : कारखाना कहां खुला है अभी तक?

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : कारखाना खुला नहीं है लेकिन कारखाने को हटाने की बात पर जो भ्रम पैदा किया जा रहा है।

श्री लालू प्रसाद : वहां तो क्वार्टर भी बन गए हैं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : वहां क्वार्टर भी बन गए हैं और कुछ सिविल कार्य भी शुरू हो गया है। मैं माननीय रक्षा मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि यह जो भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, उसको वे स्पट करें ताकि उस कारखाने के संबंध में जो भ्रम फैलाने का काम हो रहा है, वह साफ हो जाए। यह बिहार से जुड़ा हुआ अत्यंत महत्वपूर्ण मामला है।

MR. SPEAKER: Only the point being raised by Shri Devendra Prasad Yadav should be recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: Thank you. Next, Shri Ananth Kumar to raise his issue.

...(व्यवधान)

---

* Not Recorded.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, लालू जी बैठे-बैठे बोल रहे हैं। हम चाहेंगे कि वे खड़े होकर अपने विचार व्यक्त करें तो बिहार की जनता को उनकी भावनाएं समझने का मौका मिलेगा।

अध्यक्ष महोदय : उनके खड़े होने से बहुत से माननीय सदस्य चले जाते हैं, इसलिए वे खड़े नहीं होना चाहते हैं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Malhotra, please be seated. I would come to you also.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA No, Sir. There is no question of coming to me as something very serious has happened. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, the hon. Minister wishes to respond first.

THE MINISTER OF DEFENCE Sir, normally it is not the practice to respond to it. I understand that it came in the form of an Adjournment Motion, but I have not received any such notice.

MR. SPEAKER: It is because I have not admitted it.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: First of all I would like to clarify what I told both Shri Nitish Kumar and Shri Prabhunath Singh when they met me, and I clarified the position to them. I do not know whose imagination it is that the factory is going to be shifted to Panagarh. They do not know what is in Panagarh. There is no Ordnance Factory in Panagarh. There is simply one air base. There are some Ordnance Factories in Bengal, but it is not there in Panagarh.

Kashipur is the oldest factory, which was established by the East India Company 200 years ago. Therefore, it is absolutely somebody's imagination. The problem has arisen because we recently found that the Denel company engaged an agent to supply the plant and machinery that were to be supplied by Denel, and which was against the contractual obligation. As a consequence, all transactions with Denel company have been suspended. Thereafter, there have been some developments in this issue. These developments too were shared with these two hon. Members who met me, namely, that one Minister of the South African Government came and tried to resolve the issue. Therefore, the issue is under the consideration of the Government.

There is no such proposal that the factory is going to be shifted from Bihar to Panagarh or some other place. There is no such proposal.

MR. SPEAKER: It is bad news for West Bengal and good news for Bihar[ak3]!

श्री मदन लाल शर्मा माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन में ऐसा बयान देकर माननीय सदस्य ने सारे देश के लोगों के जज्बात को भड़काने की बात की है।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not record it.

(Interruptions) ...*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैं अपने आरोपों को दोहराता हूं। मैं अपने सभी आरोपों को दोहराता हूं। I will repeat all the charges that I made yesterday.

… (*Interruptions*)

* Not Recorded.

11.15 hrs.